ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :01.12.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-12-01 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	02/12/2023	03/12/2023	04/12/2023	05/12/2023	06/12/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	10.0	10.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिकआर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	130	130	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	3	2	3

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (24 से 30 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 22.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस और 9.0 से 15.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 78 से 93% के बीच तथा शाम 1412 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 35 से 70% के बीच रही। हवा की गति 0.1 से 3.3 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों का पूर्वानुमान है कि बारिश नहीं होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 25.0-26.0 डिग्री सेल्सियस और 10.0-11.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर पूर्व, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चलेंगी। क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान से पता चलता है कि पिछले सप्ताह के लिए जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा 0 मिमी थी और पूर्वानुमान 01-07 दिसंबर के लिए बड़े पैमाने पर बड़ी कमी वाली वर्षा तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान की सामान्य प्रवृत्ति को इंगित करती है । एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। 18% ब्रिक्स वाले पेड़ी गन्ने की कटाई और तदनुसार प्रसंस्करण किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

क्षेत्र में शुष्क मौसम बने रहने की उम्मीद है, इसलिए रबी फसलों की बुआई और अन्य कृषि गतिविधियाँ तदनुसार की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ने	कटाई/अंकुरण	पेड़ी गन्ने की कटाई करनी चाहिए ताकि गेहूं की बुआई हो सके और शरदकालीन गन्ने की सिंचाई आवश्यकतानुसार करनी चाहिए। खेती की अन्य गतिविधियों जैसे निराई और गुड़ाई की नियमित निगरानी की जानी चाहिए।
अरहर/अरहर (लाल चना)	कटाई/फूल आना/फली बनना	खड़ी फसलों में, आवश्यकता के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए, जबकि देर से पकने वाली किस्मों में, फली छेदक की उपस्थिति पर अनुशंसित प्रथाओं को अपनाया जाना चाहिए।
चना/मसूर	अंकुरण/फूल आना	देर से बुआई होने वाली किस्मो को महीने के पहले पखवाड़े तक बो लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए जबकि बुआई के समय बीज का जैव उपचार 200 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी प्रति 10 किलोग्राम बीज से करना चाहिए। पिछले माह में जो फसल बोई गई है उसकी निरंतर निगरानी के साथ तदनुसार खेती का कार्य किया जाना चाहिए ।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	अंकुरण/ वानस्पतिक /फूल आना	देर से बोई गई फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
गेहू	बुआई/अंकुरण	फसल की देर से बुआई 25 दिसम्बर तक करनी चाहिए तथा उचित उपचारित बीज एवं बुआई विधि अपनानी चाहिए। पहले से बोई गई फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। शेष नाइट्रोजन की आधी मात्रा पहली सिंचाई के बाद डालनी चाहिए।
जौ	बुवाई/ अंकुरण	फसल की देर से बुआई माह के प्रथम पखवाड़े तक करनी चाहिए तथा उचित उपचारित बीज एवं बुआई विधि अपनानी चाहिए।
चारा फसल	बुवाई/ वानस्पतिक	फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और शुष्क परिस्थितियों में सिंचाई की जानी चाहिए। सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जी मटर	अंकुरण/फूल आना	देर से बुआई होने वाली किस्मो को महीने के पहले पखवाड़े तक बो लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए जबकि बुआई के समय बीज का जैव उपचार 200 ग्राम राइजोबियम एवं पीएसबी प्रति 10 किलोग्राम बीज से

		करना चाहिए। पिछले माह में जो फसल बोई गई है उसकी निरंतर निगरानी के साथ तदनुसार खेती का कार्य किया जाना चाहिए ।
फूलगोभी	वानस्पतिक	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार प्रयोग करना चाहिए। रोग को नियंत्रित करने के लिए गर्म पानी से बीजोपचार करना चाहिए।
टमाटर	वानस्पतिक / फूल आना	टमाटर की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चित्तकबरा होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस/ गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।